7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 पूर्वांचल की रफ्तार

5 यूपी में तबादलों में भ्रष्टाचार

8 टूर्नामेंट में खेलेंगे 640 मुक्केबाज

UPHIN51019 | वर्ष: 02, अंक: 52 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 23 जून,2025

योगमय हुआ भारत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार, गोरखपुर में आयोजित 11वें 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर 'सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम' में उपस्थित थे।

सिडनी से लेकर एवरेस्ट और समुद्र के विस्तार तक... योग सभी का, सभी के लिए

दिल्ली,एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आंध्रप्रदेश में बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन लाख लोगों के साथ योग किया। पीएम मोदी ने कहा कि योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ को वैश्विक संकल्प बनाने की जरूरत है।

योग दिवस पर पीएम मोदी का वैश्विक संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में योग दिवस समारोह में भाग लिया। उन्होंने यहां करीब तीन लाख लोगों के साथ योग किया।

समारोह में पीएम मोदी ने योग के जरिये वैश्विक शांति और सद्भावना कायम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योग पृथ्वी के हर कोने तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य और शांति का वैश्विक प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि चाहे सिडनी ओपेरा हाउस की सीढ़ियां हों, एवरेस्ट की चोटियां हों या समुद्र का विस्तार। हर जगह संदेश एक ही है – योग सभी का है और सभी के लिए है। योग की वैश्विक स्वीकृति सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह मानव कल्याण के लिए एक संयुक्त प्रयास है।

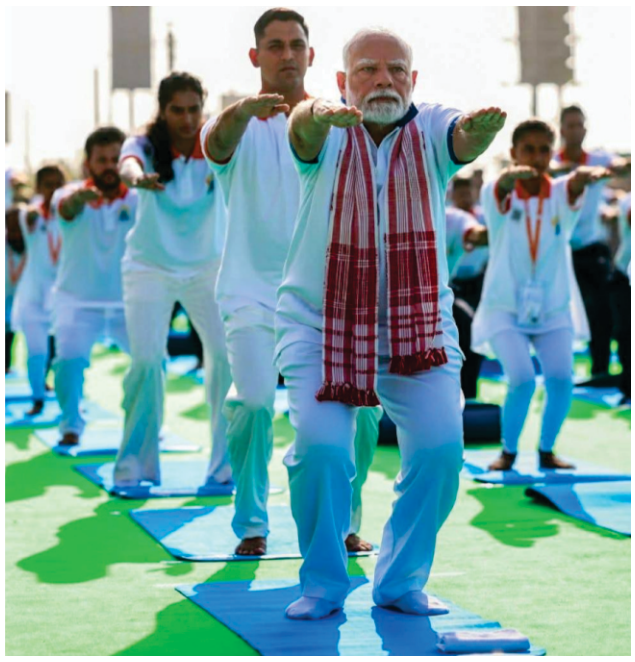

गोरखपुर में सीएम तो लखनऊ में डिप्टी सीएम ने किया योग, आयोजित हुए सैकड़ों कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर राजधानी लखनऊ सहित पूरे प्रदेश में आयोजन हुए।

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रदेश भर में धूमधाम से मनाया गया। राजनीतिक दलों के लोगों से लेकर आम आदमी तक ने इन कार्यक्रमों में शिरकत की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में योग किया तो वहीं डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में योगाभ्यास किया।

गोमती नगर स्थित अंबेडकर पार्क में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित मोर्चा द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा नेता नीरज सिंह एमएलसी मुकेश शर्मा, संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह मौजूद रहे।

राज्यपाल आंनदीबेन पटेल ने राजभवन में किया योग। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप नगर विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 100 से अधिक योग पार्क विकसित किए हैं। इन पार्कों में योग और संबंधित गतिविधियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहीं।

अंबेडकर पार्क में बड़ी संख्या में योग करने आए लोग।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है, तभी व्यक्ति अपने सपनों को पूरा कर सकता है। उन्होंने कहा कि योग सिर्फ व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मा की शक्ति को बढ़ाने का माध्यम है। यह हमारे ऋषियों की परंपरा है, जिसे वेदों, पुराणों और शास्त्रों ने आज तक जीवित रखा है। इसके साथ ही योगी आदित्यनाथ ने सभी से अपील की कि वे योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं ताकि शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहें।

नगर निगम कार्यालय के सेकेंड फ्लोर पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग करते महापौर, नगर आयुक्त, अधिकारी और कर्मचारीगण।

लखनऊ विवि कैंपस में हुआ योग दिवस का आयोजन

सीएम साय बोले- योग मानवता को भारत की अमूल्य देन, इस बार 'योग संगम-हरित योग' थीम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान कुनकुरी रेस्ट हाउस में चर्चा में कहा कि योग मानवता को भारत की अमूल्य देन है। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने जशपुर प्रवास के दौरान कुनकुरी रेस्ट हाउस में चर्चा में कहा कि योग मानवता को भारत की अमूल्य देन है। योग हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हर बीमारी के इलाज के लिए योग में कोई न कोई उपयोगी आसन जरूर है। यदि हम नियमित रूप से योग करें तो बीमारियों से बच सकते हैं और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि योग को हमें अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए। योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करने वाली एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। उन्होंने कहा कि यदि हम प्रतिदिन थोड़ा समय योग को दें, तो दीर्घकालीन स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। हम सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आभारी हैं, जिन्होंने योग को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाई। प्रधानमंत्री के प्रयासों से आज पूरी दुनिया योग की महत्ता को समझ रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रधानमंत्री की ओर से योग दिवस का प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने के बाद 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया।

योगी का योग

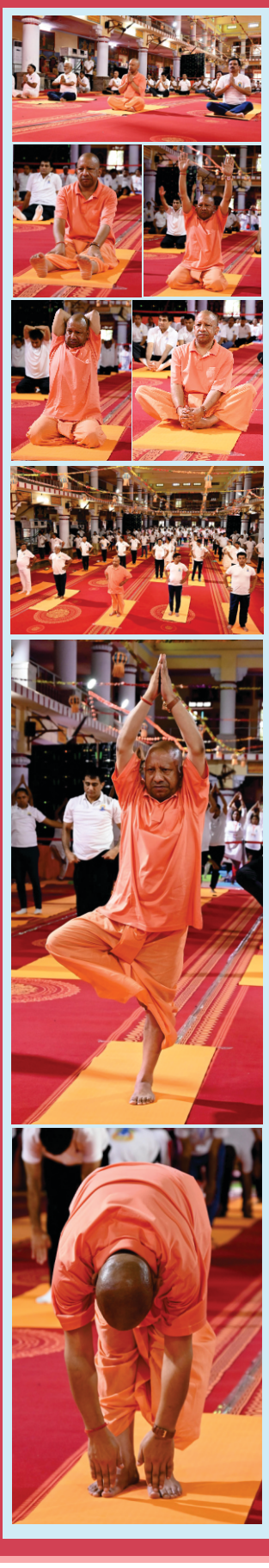

सम्पादकीय

क्यों है, बोधगया के महाबोधि मंदिर पर विवाद

पटना के निकट बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर, बौद्ध धर्म के अनुयायियों का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थान है क्योंकि भगवान गौतम बुद्ध को यहीं निर्वाण प्राप्त हुआ था। हम एक अटपटे दौर में जी रहे हैं जहां खुलेआम धर्म का इस्तेमाल राजनैतिक एजेन्डे को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। बौद्ध मंदिर का संचालन ब्राह्मणवादी तौर–तरीकों से हो रहा है, और सूफी दरगाहों का ब्राह्मणीकरण किया जा रहा है। बौद्ध भिक्षु अपने पवित्र स्थान का संचालन उनकी अपनी आस्थाओं और मानकों के अनुसार करना चाहते हैं और उसके ब्राह्मणीकरण का विरोध कर रहे हैं। पटना के निकट बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर, बौद्ध धर्म के अनुयायियों का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थान है क्योंकि भगवान गौतम बुद्ध को यहीं निर्वाण प्राप्त हुआ था। इस मंदिर का संचालन 'बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949. के प्रावधानों के अनुसार होता है और 'बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति. (बीटीएमसी) इसका प्रबंधन करती है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, मंदिर के नियंत्रण मंडल में हिंदू और बौद्ध समान संख्या में होते हैं। इस साल फरवरी से कई बौद्ध भिक्षु इन प्रावधानों का विरोध कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मंदिर के क्रियाकलापों का संचालन करने वाले इस मंडल के सभी सदस्य बौद्ध हों।

इस विरोध का कारण नियंत्रण मंडल की मिश्रित प्रकृति के चलते धीरे–धीरे मंदिर का ब्राह्मणीकरण होना है। धरने पर बैठे आकाश लामा ने उनके विरोध को समझाते हुए कहा, 'यह मात्र एक मंदिर का सवाल नहीं है। यह हमारी पहचान और गौरव का सवाल है। हम अपनी मांगें शांतिपूर्ण ढंग से सामने रख रहे हैं। जब तक हमें सरकार से लिखित आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक, अनिश्चित काल तक, हमारा विरोध जारी रहेगा।. धरने पर बैठे भिक्षुओं का कहना है कि 'महाबोधि महाविहार का ब्राह्मणीकरण किया जा रहा है। प्रबंधन और समारोहों में ब्राह्मणवादी अनुष्ठान बढ़ते जा रहे हैं, जिससे बौद्ध समुदाय की आस्था और विरासत को गहरी चोट पहुंच रही है।

भारत में बौद्ध धर्म और ब्राह्मणवाद के टकराव का लंबा इतिहास रहा है। जहां बौद्ध धर्म समानता का संदेश देता है वहीं ब्राह्मणवाद जाति एवं लिंग की जन्म से निर्धारित होने वाली ऊंच–नीच पर आधारित है। बुद्ध का सबसे प्रमुख संदेश उस काल में प्रचलित जाति एवं लिंग आधारित भेदभाव के खिलाफ था। सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म स्वीकार किए जाने के बाद यह धर्म भारत में और दूसरे देशों में, खासकर दक्षिण पूर्व एशिया में बड़े पैमाने पर फैला। अशोक ने भगवान बुद्ध का संदेश पहुंचाने के लिए प्रचारकों को दुनिया के कई देशों में भेजा।

बुद्ध ने अपने दौर में पशुबलि, विशेषकर गायों की बलि देने की गैर–जरूरी प्रथा को भी समाप्त करने का आह्वान किया था। इस सबसे ब्राह्मणों के सामाजिक एवं आर्थिक हितों पर विपरीत प्रभाव हो रहा था और वे बौद्ध धर्म के विस्तार से बेचैनी महसूस कर रहे थे। उन्हें तब बहुत राहत मिली जब अशोक के पौत्र बृहद्रथ के सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने बृहद्रथ की हत्या कर सिंहासन पर कब्जा कर लिया और शुंग वंश की स्थापना की। इसके साथ ही ब्राह्मणवाद का बोलबाला बढ़ने लगा और बौद्ध धर्म का अस्त होना शुरू हो गया। पुष्यमित्र ने बौद्धों का जबरदस्त उत्पीड़न किया। कहा जाता है कि उसने बौद्ध मठों को जलवाया, स्तूपों को नष्ट किया और यहां तक कि बौद्ध भिक्षुओं का सिर काटकर लाने वालों को पुरस्कृत करने की घोषणा की। इसके चलते बौद्ध धर्म का पतन होने लगा और ब्राह्मणवाद कायम होता गया। बाद में अत्यंत प्रभावशाली दार्शनिक, कलाडी (एर्नाकुलम, केरल) के शंकराचार्य ने ब्राह्मणवाद के पक्ष में तर्क दिए। वे किस काल में हुए इसे लेकर विवाद है। जहां परंपरागत रूप से माना जाता है कि उनका जीवनकाल 788 से 820 ईस्वी का था, वहीं कुछ अध्येताओं का कहना है कि वे इससे बहुत पहले हुए थे और उनका जन्म 507 से लेकर 475 ईसा पूर्व के बीच हुआ था। जो भी हो, यह तो निश्चित है कि वे उत्तर पश्चिम से हुए मुस्लिम राजाओं के 'आक्रमणों' के पहले हुए थे।

शंकराचार्य का लक्ष्य ब्राह्मणवाद को अनावश्यक कर्मकांडों से मुक्त कराना था। उनका दर्शन, बौद्ध दर्शन से ठीक उलट था। भारतीय इतिहास और राजनीति के विद्वान और 'द आइडिया ऑफ इंडिया. के लेखक सुनील खिलनानी लिखते हैं, 'उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में उन बौद्ध दार्शनिकों पर तीखे शाब्दिक हमले किए जो बुद्ध की तरह यह शिक्षा देते थे कि दुनिया में सब कुछ अस्थायी है और ईश्वर के अस्तित्व से भी इनकार करते थे। ('इन्कारनेशन्सः इंडिया इन 50 लाईव्स., 2016)। शंकराचार्य यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थे और 'दुनिया को माया. मानते थे। बुद्ध दुनिया को वास्तविकता मानते थे जिसमें दुःख व्यापक रूप से मौजूद थे। इसका आशय यह था कि दुखों की ओर ध्यान दिया जाना चाहिए, उन्हें दूर करने के उपाय किए जाने चाहिए।

कुल मिलाकर इन आक्रमणों के कारण बौद्ध धर्म भारत से लुप्तप्राय हो गया और तब तक हाशिए पर बना रहा जब तक बाबा साहेब अम्बेडकर ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ बौद्ध धर्म ग्रहण नहीं किया। इसके पहले भक्तिकाल के संतों ने भी जातिप्रथा के विरोध जैसे बौद्ध धर्म के कुछ मूल्यों की बात की थी। इनमें से कई संतों को उस समय के ब्राह्मणवादियों ने प्रताड़ित भी किया था।

दलितों की समानता के पक्ष में बड़ा बदलाव आज़ादी के आन्दोलन के दौरान शुरू हुआ। जोतिबा और सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा और समाजसुधार के क्षेत्रों में जबरदस्त काम किया। इन प्रयासों के जोर पकड़ने के साथ ही ब्राह्मणवाद के समक्ष चुनौती खड़ी हो गई। ब्राह्मणवादियों ने इस उभरती हुई चुनौती का जवाब राजनैतिक कदम उठाते हुए पहले 'हिन्दू महासभा. और बाद में 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ. (आरएसएस) का गठन करके दिया। ये संगठन यथास्थिति और ब्राह्मणवादी मूल्यों को कायम रखने के इरादे को अभिव्यक्त करते हैं और 'मनुस्मृति. उनके लक्ष्यों का प्रतीक है। हम एक अटपटे दौर में जी रहे हैं जहां खुलेआम धर्म का इस्तेमाल राजनैतिक एजेन्डे को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। बौद्ध मंदिर का संचालन ब्राह्मणवादी तौर–तरीकों से हो रहा है, और सूफी दरगाहों का ब्राह्मणीकरण किया जा रहा है। बौद्ध भिक्षु अपने पवित्र स्थान का संचालन उनकी अपनी आस्थाओं और मानकों के अनुसार करना चाहते हैं और उसके ब्राह्मणीकरण का विरोध कर रहे हैं।

न्यायपालिका की साख का सवाल

भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि संविधान केवल शासन के लिए राजनीतिक दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह 'क्रांतिकारी वक्तव्य' है, जो गरीबी, असमानता और सामाजिक विभाजन से पीड़ित, औपनिवेशिक शासन के लंबे वर्षों से बाहर आ रहे देश को आशा की किरण दिखाता है। इटली के मिलान कोर्ट ऑफ अपील में बोलते हुए जस्टिस गवई ने कहा कि उन्हें यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि भारतीय संविधान के निर्माता इसके प्रावधानों का मसौदा तैयार करते समय सामाजिक–आर्थिक न्याय की अनिवार्यता के प्रति गहराई से सचेत थे। जस्टिस गवई सोलह आने सच बात कह रहे हैं। संविधान निर्माताओं ने तो हर तरह की गैरबराबरी दूर करने और सबके लिए एक समान न्याय की जरूरत का सिद्धांत संविधान बनाते वक्त सामने रखा। लेकिन क्या मौजूदा वक्त में जिन लोगों पर संविधान का पालन करने और न्याय देने की जिम्मेदारी है, वे इस सिद्धांत पर कायम हैं, या विचलित हो चुके हैं, इसकी पड़ताल करनी होगी। बीते महीनों में दो ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जब जज की आसंदी पर बैठे लोगों की निष्ठा व इरादों पर सवालिया निशान लगे हैं। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस शेखर यादव ने विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के लिए ऐसी टिप्पणी की थी, जिस पर विवाद खड़ा हो गया था। बताया जाता है कि जस्टिस शेखर यादव ने कहा था कि देश को बहुसंख्यकों के हिसाब से चलना चाहिए। इस तरह के बयान को नफरती भाषण मानते हुए वरिष्ठ वकील और सांसद कपिल सिब्बल के नेतृत्व में 55 सांसदों ने 13 दिसंबर को ही उनके खिलाफ राज्यसभा स्पीकर यानी उपराष्ट्रपति को हटाने का प्रस्ताव सौंप दिया था। हालांकि जस्टिस यादव ने कहा था कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर पेश किया गया है।

दूसरा मामला मार्च का है, जब 14 मार्च 2025 को जस्टिस यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर आग लगने की घटना हुई थी। आग बुझाने के लिए पहुंची दमकल विभाग की टीम और पुलिस ने मौके पर आधे जले हुए 500 रुपये के नोट और बड़ी मात्रा में नकदी देखी गई। इस मामले में बड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगे तो जस्टिस यशवंत वर्मा ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया। दोनों ही मामलों से न्यायपालिका पर आम आदमी का भरोसा हिल गया। क्योंकि एक तरफ अल्पसंख्यकों के लिए भेदभावपूर्ण रवैया और हिंदुत्ववादी ताकतों की तरफ झुकाव दिखा और दूसरी तरफ इंसाफ करने वाले के बेईमान रवैये की बू आई। अब जस्टिस वर्मा मामले में महाभियोग चलाने की तैयारी हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घर नकदी मिलने के मामले पर तीन जजों की आंतरिक जांच समिति बनाई थी। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के जस्टिस शील नागु, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस जी एस संधावालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवरामन की इस समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें कहा गया है कि 14 मार्च को दिल्ली में उनके सरकारी आवास में आग लगने के दौरान वहां नकदी मिलने का मतलब है कि उन पर इसकी ज़िम्मेदारी है। अब सरकार ने संसद के आगामी मानसून सत्र में जस्टिस वर्मा के खिलाफ़ महाभियोग प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बता दें कि इस मामले में जांच पैनल ने 55 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिनमें से कम से कम 10 गवाहों ने पुष्टि की कि उन्होंने जस्टिस वर्मा के आवास पर आधे जले हुए या पूरी तरह जले हुए नोट देखे थे। पैनल ने कहा कि आधे जले हुए नोटों की मौजूदगी और उनका आवास पर पाया जाना गंभीर सवाल उठाता है। यह नकदी के आने और उसके इस्तेमाल पर संदेह पैदा करता है। रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस वर्मा ने न तो पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और न ही अपने वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों को इसकी सूचना दी। पैनल ने इसे 'अनुचित आचरण' और 'न्यायिक कर्तव्यों के प्रति लापरवाही' माना है और महाभियोग की सिफारिश की है।

इस मामले में कपिल सिब्बल ने कहा है कि कुछ वीडियो और मीडिया में आई जले नोटों की बातों को बिना जांच के आधार नहीं बनाया जा सकता। श्री सिब्बल का तर्क है कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोप इतने स्पष्ट नहीं हैं कि उन पर महाभियोग चलाया जाए। इसके साथ ही कपिल सिब्बल ने सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाया कि जस्टिस शेखर यादव पर शिकायत के छह महीने बीत जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दरअसल दिसंबर में राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षरित शिकायती पत्र मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ इन हाउस जांच शुरू नहीं कर सका।

राज्य सभा सचिवालय ने मार्च में ही इस मामले की सूचना सुप्रीम कोर्ट में सेकेट्ररी जनरल को प्त्र लिखकर दे दी थी। इससे जजेज इन्कवायरी एक्ट के तहत अनिवार्य प्रक्रिया शुरू हो गई, जिसके अनुसार अगर राज्यसभा अध्यक्ष प्रस्ताव स्वीकार करते हैं, तो उन्हें तीन सदस्यीय जांच पैनल का गठन करना होगा, जिसमें मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के जज, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और एक 'प्रख्यात न्यायविद' शामिल होंगे, जो उन आधारों की जांच करेंगे, जिनके आधार पर संबंधित जज को हटाने की मांग की गई है. इसके बाद समिति संबंधित जज के खिलाफ आरोप तय करेगी।

चूंकि अब तक समिति गठित नहीं हुई है तो जस्टिस शेखर यादव मामले में जांच रुकी हुई है। इस पर श्री सिब्बल ने कहा कि एक तरफ राज्यसभा के महासचिव ने भारत के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा कि यादव के खिलाफ आंतरिक जांच को आगे न बढ़ाएं क्योंकि उच्च सदन में उनके खिलाफ एक याचिका लंबित है, जबकि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के मामले में उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है और जब संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति, जो पदानुक्रम में दूसरे नंबर पर है, छह महीने में संवैधानिक दायित्वों को पूरा नहीं करता है तो सवाल उठना लाजमी है। श्री सिब्बल ने कहा, 'मैं उन लोगों से पूछना चाहता हूं जो संवैधानिक पदों पर बैठे हैं, उनकी जिम्मेदारी केवल यह सत्यापित करना है कि हस्ताक्षर हैं या नहीं? क्या इसमें छह महीने लगने चाहिए?' उन्होंने कहा कि एक और सवाल उठता है कि क्या यह सरकार 'पूरी तरह से सांप्रदायिक' टिप्पणी करने वाले शेखर यादव को बचाने की कोशिश कर रही है।

रिजर्व बैंक दर में कटौती का अर्थव्यवस्था पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा

देश की वर्तमान आर्थिक वृद्धि दर को अन्य प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए इसे कई वर्षों तक लगातार बनाये रखने और विस्तारित करने की आवश्यकता है। भारत में प्रति व्यक्ति खपत अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है। पिछले दो वर्षों में देश की उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति दर 3.20 प्रतिशत के आसपास मंडरा रही है। ऐसे समय में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंक दर में 50 आधार अंकों की कटौती करने का नवीनतम निर्णय, जो इस वर्ष फरवरी से लगातार तीसरी कटौती है,समझ में आने लायक बात है। हालांकि, ऐसा लगता है कि यह गलत समय पर आया है क्योंकि यह भारत की अर्थव्यवस्था की अप्रैल से सितंबर तक के सामान्य वार्षिक कम कामकाज वाली छमाही के बीच में आया है, और कृषि उत्पादनों की कीमतें बढ़ रही हैं। नियमित मानसून के बाद मौजूदा गर्मी के मौसम में दर में कटौती से उधार लेने और निवेश को बढ़ावा मिलने की संभावना नहीं है। ऐसा कभी हुआ भी नहीं। रिजर्व बैंक को भी उम्मीद नहीं है कि विकास अनुमान पिछले वर्ष के लगभग 6.4 प्रतिशत के स्तर से आगे बढ़ेगा। यह निर्णय बैंकिंग उद्योग के सावधि जमा जुटाने के प्रयास को अस्थिर कर सकता है। आम तौर पर, बैंक दर का उपयोग आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए मौद्रिक नीति उपकरण के रूप में किया जाता है। यदि वे आर्थिक विकास को और बढ़ावा देने में मदद नहीं करते हैं, तो उधार दरों को कम क्यों किया जाये? विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट ने चालू वर्ष के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर को घटाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है।

हालांकि देश की वर्तमान आर्थिक वृद्धि दर को अन्य प्रमुख विश्व अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी अच्छा माना जाता है, लेकिन दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश की आजीविका को बेहतर बनाने के लिए इसे कई वर्षों तक लगातार बनाये रखने और विस्तारित करने की आवश्यकता है। भारत में प्रति व्यक्ति खपत अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी कम है। भारत की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2025 में केवल 2,880 के आसपास होने का अनुमान है। यह भारत को 'निम्न मध्यम आय वाले देशों. की सूची में सबसे निचले पायदान पर रखता है।

प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, जापान की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,900 है, जो भारत की तुलना में 11 गुना अधिक है। संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,000 है। भारत की शीर्ष 15 प्रतिशत आबादी और बाकी लोगों के खर्च करने के तरीकों में बहुत बड़ा अंतर है। भारत में खपत आबादी के एक छोटे से हिस्से द्वारा संचालित होती है, जबकि अधिकांश आबादी आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करती है, जो एक महत्वपूर्ण आय असमानता को उजागर करती है। देश में बेरोजगारी और अल्परोजगार की दरें काफी अधिक हैं। यह बताता है कि रिजर्व बैंक द्वारा बैंक दर में बार–बार की गयी कटौती सार्वजनिक खपत और घरेलू निवेश को बढ़ाने में विफल रही है।

वर्तमान परिस्थितियों में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बार–बार की गयी दरों में कटौती से बचत और वाणिज्यिक बैंक के प्रदर्शन दोनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। यह अनुमान लगाना गलत हो सकता है कि कम बैंक दरें पारंपरिक बैंक सावधि जमाकर्ताओं को उच्च जोखिम वाले शेयर बाजार साधनों में बचत करने के लिए प्रेरित करेंगी। वैसे भी, देश की आबादी का केवल एक छोटा प्रतिशत ही शेयर बाजार में सक्रिय रूप से निवेश करता है। यह संख्या केवल पांच प्रतिशत के आसपास होने का अनुमान है। आम तौर पर पसंदीदा निवेश के रास्ते सावधि जमा और रियल एस्टेट हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसः गोरखपुर में सीएम योगी ने किया योग अभ्यास- बोले, शरीर ही धर्म के पालन का साधन है

गोरखपुर । सीएम योगी 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्व योग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग भारतीय मनीषा की अनुपम देन है।योग को लोक कल्याण का माध्यम बनाकर भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। यही वजह है कि आज 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के करीब 190 देश भारतीय योग की विरासत के साथ जुड़कर गौरवान्वित हो रहे हैं।

सीएम योगी 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्व योग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। भारतीय मनीषा ने योग के महत्व को प्राचीनकाल से ही विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए कहा है, 'शरीरमाद्यं खलु धर्म साधनम्'। (शरीर ही धर्म के पालन का साधन है)। सीएम योगी ने कहा कि मानव जीवन के चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ काम, मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ शरीर से ही संभव है। स्वस्थ शरीर ही संसार सांसारिक उत्कर्ष और आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है। धनोपार्जन से लोक कल्याण हो, कामनाओं की पूर्ति हो या फिर मुक्ति का मार्ग, इन सबके लिए स्वस्थ शरीर ही माध्यम है। उन्होंने कहा कि धर्म पालन का साधन बनाने और चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति के लिए शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य योग से होता है। इसी योग को भारती ने लोक कल्याण का माध्यम बनाया और फिर इसके जरिये विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज योग के अलग–अलग आयाम देखने को मिलते हैं। भारतीय मनीषा ने योग के माध्यम से चेतना के उच्च आयाम से दुनिया को अवगत कराया। व्यक्तित्व विकास से लेकर ब्रह्मांड के रहस्यों को उद्घाटित करने तक योग के समृद्ध ज्ञान को विरासत के रूप में वेदों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों और शास्त्रों में प्रस्तुत किया। सीएम योगी ने कहा कि योग की प्राचीन भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में आगे बढ़ने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है। ऐसे दौर में जब बाहरी लोग योग के आसनों को पेटेंट कराने लगे थे और भारत अपनी विरासत से वंचित हो रहा था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में पहल कर योग को वैश्विक मान्यता दिलाई।

पीएम मोदी के ही प्रयास से 21 जून 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरुआत हुई। आज भारत ही नहीं, दुनिया के 190 देश योग दिवस से जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भारत की ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञापित करने और आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ने का प्रयास है।

योगमय शरीर से दूर रहती है बीमारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग से बीमारियों से मुक्ति पाना संभव है। कहा भी गया है, 'न तस्य रोगो न जरा न मृत्युः प्राप्तस्य योगाग्नियं शरीरम्'। (योगाभ्यास से तपा हुआ शरीर रोग, जरा (बुढापा) एवं मृत्यु से मुक्त हो जाता है)।

सीएम ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर महायोगी गुरु गोरखनाथ की पावन धरा पर योग के कार्यक्रम से जुड़ने के अवसर को अपने लिए सौभाग्य बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि योग का उत्साह स्वस्थ शरीर और मस्तिष्क के माध्यम से लोक कल्याण, समाज कल्याण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सीएम ने सुना पीएम का संबोधन, किया योग का अभ्यास

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन देखा व सुना। इसके बाद उन्होंने सभागार में उपस्थित योग साधकों व प्रशिक्षुओं के साथ योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम, ध्यान का अभ्यास किया। योग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नियमित दिनचर्या का अनिवार्य व अपरिहार्य हिस्सा है। गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक फतेह बहादुर सिंह, महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल सहित कई अधिकारियों, योग साधकों, प्रशिक्षुओं और जनसामान्य ने योगाभ्यास किया। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार के अतिरिक्त भवन के बाहर और मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों में भी सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी ने कार्यक्रम स्थल भगवानपुर टोल प्लाजा पर यूपीडा की ओर से लगाए गए फोटो गैलरी का भी अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने पैकेज–1 में काम करने वाली फर्म एपको इंफ्राटेक के निर्माण कार्मिकों के साथ फोटो खिंचाकर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लिंक एक्सप्रेस–वे बनने से गोरखपुर के दक्षिणी हिस्से समेत चार जिलों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही गोरखपुर मंडल के अन्य जिलों को इसका अप्रत्यक्ष लाभ होगा। एक्सप्रेस–वे के किनारे विकसित हो रहे औद्योगिक कलस्टर में फैक्टरियां लगेंगी तो यहां के नौजवानों को दूसरे प्रदेश और दूसरे देश जाकर नौकरी नहीं खोजनी पड़ेगी। भगवानपुर टोल प्लाजा पर लिंक एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन के बाद समारोह में सीएम योगी ने कहा कि एक्सप्रेस–वे सरकार की सकारात्मक सोच का परिणाम है। क्या कोई सोचता था कि बेलघाट, खजनी, सिकरीगंज जैसे क्षेत्र भी एक्सप्रेस–वे से जुड़ पाएंगे। आज यह सोच आज साकार हुई है। 100 वर्ष पूर्व गोरखपुर जिले के दक्षिणांचल बांसगांव, गोला, बड़हलगंज आदि क्षेत्र से हजारों लोगों ने रोजगार के लिए थाईलैंड समेत दूसरे देशों में जाकर काम किया। एक्सप्रेस–वे बनने के बाद ऐसा नहीं होगा। अब इसी इलाके में उद्योग लगेंगे, जिसमें स्थानीय लोगों को नौकरी व रोजगार का अवसर मिलेगा।

लिंक एक्सप्रेस–वे बनते ही औद्योगिक गलियारा में फैक्टरी के लिए निवेश प्रस्ताव मिलने लगे हैं। इस एक्सप्रेस–वे के किनारे आंबेडकरनगर और आजमगढ़ में हजारों एकड़ जमीन आरक्षित की गई है। धुरियापार में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है। इसका फायदा पूरे पूर्वांचल को मिलेगा। इतना नहीं, कोई इमरजेंसी या जरूरत होने पर गोरखपुर से तीन घंटे में ही लखनऊ पहुंच जाएंगे। देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के लोगों के लिए इस एक्सप्रेस–वे से होकर दिल्ली– लखनऊ की राह आसान हो जाएगी।

अब पर्यटन के साथ बढ़ रहा निवेश

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में विकास की बात तो दूर, यहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव था। गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ पात्रों को नहीं मिलता था। परंपरागत उद्योग बंदी के कगार पर थे। एक जिला एक माफिया के चलते विकास की योजनाओं में बंदरबांट होता था। वे आपस में भी लड़ते थे। 2017 के बाद का उत्तर प्रदेश माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त राज्य बन चुका है। अब यह देश में पर्यटन और निवेश का बेहतरीन डेस्टिनेशन बन गया है। 2017 के पहले यूपी में यह पता ही नहीं चलता था कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पर अब यह प्रदेश एक्सप्रेसवे के नए संजाल से अर्थव्यवस्था को रफ्तार दे रहा है।

यूपी में अब पहचान का संकट नहीं

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के सामने अब पहचान का संकट नहीं है। पांच दिन पूर्व गृह मंत्री अमित शाह की मौजदूगी में 60 हजार से अधिक युवाओं को पुलिस में नियुक्ति का पत्र दिया गया। इसमें 12,045 बेटियों की भर्ती हुई है। आजादी के बाद 2017 तक यूपी पुलिस में सिर्फ दस हजार महिलाओं की भर्ती हुई थी, अब यह संख्या 40 हजार से अधिक हो चुकी है।

एक्सप्रेस–वे से बना निवेश का माहौल

सीएम योगी ने कहा यूपी के एक्सप्रेसवे निवेश के आधार बन रहे हैं। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए गोरखपुर के दक्षिणांचल में औद्योगिक विकास की नई–नई पड़ रही है। उन्होंने कहा कि गीडा में पिछले आठ वर्षों में 15000 करोड़ रुपये के निवेश धरातल पर उतरे, जिससे 40 हजार स्थानीय नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिला। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर सफर आरामदायक है और इस पर समय की भी बचत होगी। गोरखपुर से लखनऊ जाने में सिर्फ तीन घंटे लगेंगे।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे

पूर्वांचल की रफ्तार

शादी से पहले का डर

मुस्कान-सोनम कांड के बाद गुण दोष देखने का बढ़ा ट्रेंड

25 से ज्यादा गुण मिलने पर ही फेरे

मेरठ। मुस्कान–सोनम जैसी घटनाओं के बाद शादी से पहले गुण दोष मिलान का ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। अब परिवार 25 से अधिक गुण मिलने पर ही शादी को मंजूरी दे रहे हैं। कुंडली मिलान को लेकर युवाओं में भी जागरूकता आई है। नीले ड्रम के साथ चर्चा में आए मेरठ के मुस्कान कांड और इंदौर के राजा रघुवंशी और सोनम जैसे मामलों के बाद से शादी को लेकर युवाओं का ट्रेंड काफी बदला है।

अब युवक और युवती के साथ ही उनके परिवार वाले गुण और दोष को लेकर अधिक चिंतित हैं। ज्योषिचार्यों के मुताबिक अब कुंडली में अधिक गुण मिलान के लिए अधिक मामले सामने आने लगे हैं। यहां तक हो रहा है कि यदि 36 में से 25 से ज्यादा गुण मिल रहे हैं तो ही शादी पर सहमति जताई जा रही है। चार माह बाद ही देवोत्थान एकादशी से विवाह सहित अन्य मांगलिक आयोजन शुरू होंगे। शादी से पहले कुंडली दिखाने से लेकर अन्य तैयारियां पहले ही की जा रही हैं। मंडप बुकिंग जून के आरंभ से शुरू हो गई।

रोजाना पांच से सात कुंडली मिलान के लिए आ रही

इंडियन काउंसिल ऑफ एस्ट्रोलॉजिकल साइंस के सचिव आचार्य कौशल वत्स ने बताया कि रोजाना पांच से सात कुंडली मिलान के लिए आ रही हैं। पहले यजमान कुंडली न मिलने पर यह प्रयास करते थे कि कोई दूसरा उपाय करा दिया जाए, जिससे विवाह सकुशल हो जाए, लेकिन अब कुंडली में 25 से 36 के बीच गुण मिलते हैं तो ही विवाह हो रहे हैं। 25 से कम गुण मिलते हैं तो रिश्ते की बात को आगे नहीं बढ़ाया जा रहा है। आईटी कंपनी में एक साथ काम करने वाले युवा भी कुंडली को लेकर बहुत जागरूक हो गए हैं। कई ज्योतिषाचार्यों को कुंडली दिखाई जा रही हैं। इसके बाद ही विवाह के लिए अंतिम निर्णय लिए जा रहे हैं। शहर में हाल ही 18 मामले सामने आए हैं जहां लोगों ने कुंडली न मिलने मिलने पर विवाह की बातचीत को आगे नहीं बढ़ाया। ज्योतिषाचार्य विनोद त्यागी ने बताया कि कुंडली मिलान में ग्रह, गुण का बहुत बड़ा महत्व है।

शास्त्रीनगर निवासी आईटी कंपनी में कार्यरत लड़की और शहादरा निवासी उसी की कंपनी में कार्यरत युवक विवाह करना चाहते थे। परिवार भी बहुत हद तक तैयार हो गए। कुंडली मिलान न होने के कारण लड़की पक्ष ने विवाह से इन्कार कर दिया। लड़की का विवाह गाजियाबाद निवासी युवक के साथ हुआ है।

मेरठ निवासी एक लड़की का विवाह गाजियाबाद निवासी युवक के साथ हुआ। लड़की का शुक्र मजबूत था। आचार्य कौशल ने बताया कि उसके पंचम भाव में मंगल के साथ युति थी। कुंडली में इस दोष के कारण वह अपने पड़ोस में रह रहे युवक के संपर्क में आ गई। महिला का पति से तलाक हो गया।

सप्तम भाव नहीं होना चाहिए कोई क्रूर ग्रह

आचार्य मनीष स्वामी ने बताया कि कुंडली मिलान के समय सर्वाधिक महत्वपूर्ण है कि सप्तम भाव में काई क्रूर ग्रह न हो। इसमें राहू, केतु, शनि न तो उपस्थित हो और न ही उसकी दृष्टि हो। सप्तम भाव खाली भी नहीं होना चाहिए। सप्तम भाव में किसी शुभ ग्रह का विराजमान होना बहुत अधिक आवश्यक है। या सप्तम भाव में उस ग्रह की दृष्टि होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कुंडली में अगर राहु खराब है तो पुरुष शराब पीता है और अनावश्यक धन व्यय करता है।

प्राचीन परंपराएं स्वीकार कर रहा समाज

कुछ प्राचीन परंपराओं भी समाज स्वीकार कर रहा है। पहले लड़की के लिए गौरी पूजा, सोलह सोमवार व्रत सहित अन्य विधान का बहुत बड़ा महत्व होता रहा है। अब फिर से ऐसे विधान कराए जाने लगे हैं।ज्योतिषाचार्य प्रवीण ने बताया चातुर्मास में विवाह नहीं किए जा रहे हैं। रात्रि में फेरों के स्थान पर दिन में फेरे होने लगे हैं, इसे सन डाउन वेडिंग का नाम दिया गया है। इसके अतिरिक्त चाक पूजन आदि सभी परंपरा निभाई जा रही हैं।

इन्वेस्ट यूपी का दल जाएगा जापान

योगी सरकार की औद्योगिक निवेश की नीतियों का किया जाए प्रचार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। राज्य में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए इन्वेस्ट यूपी का दल जापान जाएगा। जापान के ओसाका शहर में वर्ल्ड एक्सपो–2025 का आयोजन किया जा रहा है। 13 अक्टूबर तक चलने वाले इस एक्सपो में इन्वेस्ट यूपी की तरफ से राज्य सरकार की औद्योगिक निवेश की नीतियों का प्रचार किया जाएगा। साथ ही एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत निर्मित किए गए विभिन्न उत्पादों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। इस एक्सपो में 160 से अधिक देश भाग रहे हैं। इन्वेस्ट यूपी ने अब बहुराष्ट्रीय कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करने की रणनीति पर काम शुरू किया है। इसके तहत विदेश में आयोजित होने औद्योगिक मेलों में इन्वेस्ट यूपी के अधिकारी लगातार भाग ले रहे हैं। जापान के ओसाका में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुख्यालय हैं। इसीलिए ओसाका एक्सपो के जरिए राज्य में निवेश को आकर्षित करने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है।

औद्योगिक निवेश को आकृषत करने के लिए इन्वेस्ट यूपी का दल जापान जाएगा। ओसाका में वर्ल्ड एक्सपो–2025 में राज्य सरकार की नीतियों का प्रचार होगा और ओडीओपी उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। इन्वेस्ट यूपी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकृषत करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

एक्सपो में भारत मंडप में उत्तर प्रदेश का स्टाल लगाने की तैयारी की जा रही है। इसके जरिए रक्षा औद्योगिक गलियारा, टेक्सटाइल, पर्यटन, आइटी, एआइ, खाद्य प्रसंस्करण, निजी औद्योगिक पार्क, एयरोस्पेस, सेमी कंडक्टर उद्योग, आटो मोबाइल व इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने वाली राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार किया जाएगा।

एक्सपो में लगाए गए भारत मंडप को शीर्ष पांच मंडपों में शामिल किया गया है। यह मंडप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आइजीएनसीए) ने तैयार किया है। इन्वेस्ट यूपी का दल इसी मंडप में राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों, औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा प्रदेश के हवाई व रोड कनेक्टिविटी को विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित करेगा। एक्सपो में होने वाले गोल मेज सम्मेलन में निवेश के कई प्रस्ताव भी मिलने की उम्मीद की जा रही है।

एक्सपो में भारत मंडप में उत्तर प्रदेश का स्टाल लगाने की तैयारी की जा रही है। इसके जरिए रक्षा औद्योगिक गलियारा, टेक्सटाइल, पर्यटन, आइटी, एआइ, खाद्य प्रसंस्करण, निजी औद्योगिक पार्क, एयरोस्पेस, सेमी कंडक्टर उद्योग, आटो मोबाइल व इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने वाली राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार किया जाएगा।
एक्सपो में लगाए गए भारत मंडप को शीर्ष पांच मंडपों में शामिल किया गया है। यह मंडप इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आइजीएनसीए) ने तैयार किया है। इन्वेस्ट यूपी का दल इसी मंडप में राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों, औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा प्रदेश के हवाई व रोड कनेक्टिविटी को विभिन्न माध्यमों से प्रदर्शित करेगा। एक्सपो में होने वाले गोल मेज सम्मेलन में निवेश के कई प्रस्ताव भी मिलने की उम्मीद की जा रही है।

बिजली के रेट बढ़ने से उपभोक्ताओं को लगेगा झटका

बिजली के रेट बढ़ने से यूपी के इस जिले में 3.21 लाख उपभोक्ताओं को लगेगा झटका, ग्रामीणों पर ज्यादा बोझ

संवाददाता, चंदौसी। उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के समक्ष दाखिल बिजली दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव का सीधा असर जनपद संभल के 3.21 लाख घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इनमें 2.36 लाख ग्रामीण और 85 हजार शहरी उपभोक्ता शामिल हैं। प्रस्तावित दरों के अनुसार, ग्रामीणों को अब बिजली के लिए आठ रुपये प्रति यूनिट जबकि शहरी उपभोक्ताओं को नौ रुपये प्रति यूनिट तक भुगतान करना पड़ सकता है। बेशक यह बढोतरी तीन रुपये तो थोड़ी ज्यादा है, पर ग्रामीणों के लिए लगभग दोगुनी है। इसके अलावा फिक्स चार्ज में भी भारी इजाफा प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान में ग्रामीण उपभोक्ताओं से 90 रुपये प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज लिया जाता है, जो बढ़कर 150 रुपये हो सकता है। वहीं शहरी उपभोक्ताओं के लिए यह दर 110 रुपये से बढ़ाकर 190 रुपये प्रति किलोवाट की जा सकती है। बिजली दरों में यह प्रस्तावित बढ़ोतरी औसतन 30 प्रतिशत है, लेकिन ग्रामीण और शहरी घरेलू उपभोक्ताओं पर 35 से 45 प्रतिशत तक का सीधा असर हो सकता है। बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) उपभोक्ताओं को भी राहत नहीं मिलेगी। अभी उन्हें 100 यूनिट तक 3 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलती है, जिसे बढ़ाकर 4 रुपये करने का प्रस्ताव दिया गया है। बिजली दरों में यह बढ़ोतरी राज्य में पावर कार्पोरेशन की ओर से 2025–26 के लिए 19,644 करोड़ रुपये के घाटे को आधार बनाकर की जा रही है। वहीं, मौजूदा चार स्लैब को घटाकर तीन स्लैब प्रस्तावित किए गए हैं, जिससे 300 यूनिट से ज्यादा खपत पर बिजली की दर 45 प्रतिशत तक महंगी हो सकती है। अगर यह प्रस्ताव पारित होता है तो जनपद संभल के लाखों उपभोक्ताओं को महीने का बिजली बिल अब तक से कहीं अधिक चुकाना पड़ेगा, खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उन परिवारों को, जो पहले ही आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में दाखिल बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव संभल के 3.21 लाख उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगा। ग्रामीणों के लिए दरें लगभग दोगुनी हो सकती हैं वहीं फिक्स चार्ज में भी इजाफा होगा।

इसके अलावा फिक्स चार्ज में भी भारी इजाफा प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान में ग्रामीण उपभोक्ताओं से 90 रुपये प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज लिया जाता है, जो बढ़कर 150 रुपये हो सकता है। वहीं शहरी उपभोक्ताओं के लिए यह दर 110 रुपये से बढ़ाकर 190 रुपये प्रति किलोवाट की जा सकती है। बिजली दरों में यह प्रस्तावित बढ़ोतरी औसतन 30 प्रतिशत है, लेकिन ग्रामीण और शहरी घरेलू उपभोक्ताओं पर 35 से 45 प्रतिशत तक का सीधा असर हो सकता है। बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) उपभोक्ताओं को भी राहत नहीं मिलेगी। अभी उन्हें 100 यूनिट तक 3 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली मिलती है, जिसे बढ़ाकर 4 रुपये करने का प्रस्ताव दिया गया है। बिजली दरों में यह बढ़ोतरी राज्य में पावर कार्पोरेशन की ओर से 2025–26 के लिए 19,644 करोड़ रुपये के घाटे को आधार बनाकर की जा रही है। वहीं, मौजूदा चार स्लैब को घटाकर तीन स्लैब प्रस्तावित किए गए हैं, जिससे 300 यूनिट से ज्यादा खपत पर बिजली की दर 45 प्रतिशत तक महंगी हो सकती है। अगर यह प्रस्ताव पारित होता है तो जनपद संभल के लाखों उपभोक्ताओं को महीने का बिजली बिल अब तक से कहीं अधिक चुकाना पड़ेगा, खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उन परिवारों को, जो पहले ही आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे हैं।

बीच रास्ते बिगड़ी ट्रेन चालक की तबीयत

बिजनौर। आनंद विहार टर्मिनल से कोटद्वार जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के चालक की तबीयत रास्ते में बिगड़ गई। सहायक चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन को कोटद्वार स्टेशन तक सुरक्षित पहुंचाया। घटना के चलते कई पैसेंजर ट्रेनें लेट हुईं। आनंद विहार टर्मिनल से कोटद्वार जा रही एक्सप्रेस ट्रेन (14089) में उस वक्त हड़कंप मच गया जब ट्रेन के चालक बाबूराम की अचानक तबीयत बिगड़ गई। घटना बिजनौर जनपद के नजीबाबाद में स्नेह रोड स्टेशन के पास की है, जहां चालक को असहज महसूस हुआ। स्थिति को समझते हुए सहायक चालक ने कमान संभाली और ट्रेन को सुरक्षित कोटद्वार स्टेशन तक पहुंचा दिया। तड़के चालक को प्राथमिक उपचार दिया गया। यह ट्रेन सामान्य रूप से नजीबाबाद स्टेशन से रात 2:55 बजे रवाना होती है, लेकिन गुरुवार को यह 3:15 बजे निकली। ट्रेन का खाली रैक सुबह 5 बजे तक वापस नजीबाबाद पहुंचना था, लेकिन चालक की तबीयत बिगड़ने के कारण इसमें देरी हुई। घटना का असर नजीबाबाद–कोटद्वार रेलवे रूट की अन्य पैसेंजर ट्रेनों पर भी पड़ा। सुबह 8:45 पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेन 46 मिनट देरी से रवाना हुई। एक और पैसेंजर ट्रेन भी विलंबित रही, जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कुछ यात्री तो ट्रेन की जगह सड़क मार्ग से कोटद्वार के लिए रवाना हो गए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि चालक की तबीयत में अब सुधार है और घटना की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

सोनभद्र के रास्ते यूपी पहुंचा मानसून

लखनऊ। यूपी में मानसून दस्तक दे चुका है। मौसम विभाग ने आज 16 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसी के साथ पूरे प्रदेश में तेज हवाएं भी चल सकती हैं। प्रदेश में बुधवार रात को मानसून ने दस्तक दे दी। जल्द ही पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश देखने को मिलेगी। मानसून की दस्तक से लोगों को लू और तपिश भरी गर्मी से राहत मिली। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि दक्षिण–पश्चिम मानसून ने सोनभद्र के रास्ते प्रदेश में प्रवेश किया। इसके असर से सोनभद्र, गाजीपुर, बलिया, वाराणसी में बुधवार को बारिश की शुरुआत हुई। पूर्वी–दक्षिणी यूपी से शुरू हुआ बारिश का यह दौर जल्द ही पूरे प्रदेश में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के पूर्वी और तराई के 16 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। वहीं 35 जिलों में गरज–चमक के साथ बिजली गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान इन जगहों पर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। तराई के कुल इलाकों में बुधवार को हल्की से मध्यम बारिश हुई। प्रदेश में कहीं भी लू की परिस्थिति नहीं रही।

वेस्ट यूपी में मेरठ बना कारतूसों की सप्लाई की बड़ी मंडी

मेरठ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कारतूसों की तस्करी का केंद्र बन गया है जिसमें सेना के जवान और निशानेबाज भी शामिल हैं। एटीएस और एसटीएफ अभी तक यह पता नहीं लगा पाए हैं कि इन कारतूसों को कौन खरीद रहा है लेकिन कुछ मामलों में लॉरेंस बिश्नोई और नीरज बवाना गिरोह का नाम सामने आया है। पुलिस तस्करों पर कड़ी कार्रवाई कर रही है।

संवाददाता, मेरठ। वेस्ट यूपी में मेरठ कारतूसों की सप्लाई के लिए बड़ी मंडी बन गया। सेना के जवान से लेकर शूटिंग खिलाड़ी तक कारतूसों की तस्करी में पकड़े जा चुके हैं। यह कारतूसों की खेप कौन खरीद रहा है। अभी तक एटीएस से लेकर एसटीएफ और स्थानीय पुलिस स्पष्ट नहीं कर पाई हैं। हालांकि अनिल बंजी गिरोह के सदस्यों से जो कारतूस पकड़े गए थे। तब एसटीएफ ने पर्दाफाश किया था कि लारेंस विश्नोई और नीरज बबाना गिरोह मेरठ में पहुंचकर कारतूस की खेप ले रहे है। सेना के जवान राहुल कुमार भी पल्लवपुरम में ही दिल्ली रोड पर कारतूसों की खेप पहुंचाने के लिए जा रहे थे। वहीं से एटीएस ने राहुल को गिरफ्तार किया है। उससे पहले चार फरवरी को एसटीएफ ने दिल्ली हाईवे स्थित ग्रेटर पल्लवपुरम से कार के अंदर से कारतूसों का जखीरा पकड़ा। यह खेप अंतर्राष्ट्रीय तस्कर राशिद अली ले जा रहा था। कारतूसों की खेप राणा इंस्टीट्यूट आफ शूटिंग स्पोर्ट्स देहरादून से आई थी। राशिद अली ने बताया कि यह रेंज राणा ब्रदर्स की है। पद्मश्री से सम्मानित निशानेबाज जशपाल राणा के भाई द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित सुभाष राणा और शूटिंग खिलाड़ी सक्षम मलिक ने ही कारतूसों की सप्लाई मेरठ के लिए भेजी थी।

यूपी में तबादलों में भ्रष्टाचार

आईजी स्टांप हटाए गए, 210 ट्रांसफर हुए निरस्त, पैसे के लेनदेन की थी शिकायत

लखनऊ,संवाददाता। स्टांप एवं पंजीयन विभाग में तबादलों में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत पर कड़ी कार्रवाई करते हुए आईजी स्टांप को हटा दिया गया है। वहीं, सभी तबादले भी निरस्त कर दिए गए हैं। स्टांप एवं पंजीयन विभाग में हुए तबादलों में बड़े पैमाने पर पैसे के लेनदेन की शिकायत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी कार्रवाई करते हुए महानिरीक्षक निबंधक (आईजी स्टांप) समीर वर्मा को हटाकर प्रतिक्षारत कर दिया है।

साथ ही उनके द्वारा किए गए सभी 210 तबादलों को भी रद्द कर दिया है। मुख्यमंत्री ने यह कार्रवाई स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल की शिकायत पर की है। जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आईजी स्टांप द्वारा किए गए तबादलों में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। सीएम ने मामले की जांच कराने के भी आदेश दिए हैं। वहीं, स्टांप और परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव अमित गुप्ता को आईजी स्टांप का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

दरअसल, तबादला सीजन में शासन स्तर से 4 उप महानिरीक्षक और 18 सहायक महानिरीक्षकों का तबादला किया गया था। वहीं आईजी स्टांप ने मंत्री से चर्चा किए बिना ही 58 उप निबंधकों के अलावा 114 लिपिकों, 8 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अलावा 30 नए कर्मचारियों का तबादला कर दिया। रवींद्र जायसवाल ने पत्र में समीर वर्मा पर खुलेआम भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा है कि उन्हें समूह ख एवं ग श्रेणी के 210 अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले में भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। आईजी ने तमाम भ्रष्ट और जांच से घिरे अधिकारियों को बड़े बड़े जिलों में तैनाती दे दी है। इसके लिए लाखों रुपये के लेनदेन की जानकारी मिली थी। मंत्री ने तबादले में आईजी स्टांप की भूमिका को भी संदिग्ध बताया है।

मंत्री ने सीएम को लिखे पत्र में समीर वर्मा पर लगाया था भ्रष्टाचार का आरोप

जायसवाल ने पत्र में यह भी लिखा है कि आईजी ने सभी तबादले 13 जून को ही कर दिए थे और खानापूर्ति के लिए 15 जून को मेरे सामने तबादलों की सूची रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि आईजी द्वारा महत्वपूर्ण कार्यालयों में प्रभारी उप निबंधकों और लिपिक से प्रोन्नत उप निबंधकों को मानक के विपरीत तैनात कर दिया है। मंत्री ने लिखा है कि बार–बार मांगने के बाद भी आईजी ने उप निबंधकों की तैनाती का प्रस्ताव उपलब्ध नहीं कराया।

अखिलेश बोले– फीस न मिली तो फाइल लौटा दी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्रांसफर रद्द करने पर सोशल मीडिया साइट एक्स पर तंज कसते हुए कहा कि जिसका ट्रांसफ़र में नहीं मिला हिस्सा। वही राज खोलके सुना रहा है किस्सा। सच तो ये है कि कई मंत्रियों ने ट्रांसफर की फ़ाइल की 'फीस' नहीं मिलने पर फाइल लौटा दी है। सुना तो ये था कि इंजन ईंधन की माँग करता है पर यहां तो डिब्बा तक अपने ईंधन के जुगाड़ में लगा है।

आईजी स्तर पर हुए तबादलों में सर्वाधिक गड़बड़ी

स्आंप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने कहा कि आईजी स्तर पर हुए तबादलों में सर्वाधिक गड़बड़ी सामने आई है। मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर स्थानांतरण का आदेश दिया है। लेकिन, बाबुओं और सव रजिस्ट्रार का जो तबादला हुआ, उसके लिए कोई सहमति नहीं ली गई। सूची आने पर सामने आया कि तबादलों में पारदर्शिता नहीं बरती गई। एक इंटर पास बाबू को रजिस्ट्रार बना दिया। इन सभी शिकायतों का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लेकर तबादलों पर रोक लगाने के साथ जांच करने का आदेश दिया है।

एसटीएफ से जांच कराने का अनुरोध

स्आंप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में आईजी स्टांप समीर वर्मा द्वारा किए गए सभी तबादलों की जांच एसटीएफ से कराने का भी अनुरोध किया है। साथ ही उन्होंने आईजी स्टांप को विभाग से हटाने व लंबी छुट्टी पर भेजने और उनके स्तर से किए सभी तबादलों को निरस्त करने का भी अनुरोध किया था। इसी आधार पर सीएम ने सभी तबादलों को रद्द करते हुए पूरे प्रकरण की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

बिल्डर के इशारे पर भी हुए खूब तबादले

मेरठ के बिल्डर के इशारे पर भी खूब तबादले हुए। सूत्रों का कहना है कि आईजी स्टांप समीर वर्मा में मेरठ में डीएम रहे हैं। तभी से उनकी वहां के एक बिल्डर से याराना था। सूत्रों की माने तो डीएम पद से हटने के बाद भी शर्मा बिल्डर की पैरवी खूब करते रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि इस बार नोएडा से लेकर पूरे एनसीआर में शामिल यूपी के जिलों में उसी बिल्डर के इशारे पर तबादले किए गए और इसमें जमकर धन की उगाही किए जाने की शिकायत ऊपर तक पहुंची है।

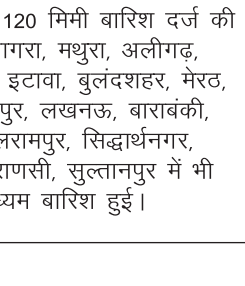

स्वास्थ्य विभाग में भी तबादले पर रार, निदेशक भवानी सिंह हटाए गए

स्वास्थ्य विभाग में तबादले को लेकर चल रही रार में निदेशक (प्रशासन) भवानी सिंह खंगारौत हटाकर प्रतीक्षारत कर दिए गए हैं। उनका कार्यभार चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की विशेष सचिव आर्यका अखौरी को सौंपा गया है। भवानी सिंह को हटाने के पीछे भी विभाग में तबादलों को लेकर चल रही जिद को मुख्य वजह माना जा रहा है। दरअसल, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में इस वर्ष तबादले नहीं हुए हैं। तबादले को लेकर अंदरखाने रार चल रही है। यही वजह है कि महानिदेशालय की ओर से भेजी गई सूची पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सिर्फ सीन (संज्ञान लिया) लिखकर छोड़ दिया। ऐसे में इस वर्ष किसी भी कार्मिक का तबादला नहीं हो सका है। उप मुख्यमंत्री की नाराजगी को देखते हुए कयास लगाए जा रहे थे कि किसी न किसी उच्च अधिकारी पर गाज गिरनी तय है।

कम नामांकन वाले विद्यालय बनेंगे बाल वाटिका

सभी जिलों से मांगी गई सूची तीन–चार दिनों में आएगी रिपोर्ट

कम नामांकन वाले विद्यालय बनेंगे बाल वाटिका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने इस शैक्षणिक सत्र में उन विद्यालयों का विलय करने की प्रक्रिया तेज कर दी है, जिनमें नामांकन बेहद कम है। खासतौर से, जहां कुल छात्र संख्या 50 से कम है, ऐसे स्कूलों को पास के किसी बेहतर स्कूल में जोड़ा जा रहा है। विभाग का कहना है कि इससे छात्रों को बेहतर शिक्षण माहौल, आधारभूत ढांचा और स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। सभी जिलों से ऐसे स्कूलों की सूची मंगाई गई है और अगले तीन–चार दिनों में पूरी रिपोर्ट आ जाएगी। हुई बैठक में योजना की प्रगति की समीक्षा की गई। शासन की पेयरिंग नीति यानी के तहत विलय किए गए स्कूल भवनों को बाल वाटिका के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां तीन से छह साल तक के बच्चों की पढ़ाई होगी। केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार, किसी स्कूल में आइसीटी लैब और स्मार्ट क्लास की सुविधा तभी मिल सकती है, जब वहां कम से कम 75 विद्यार्थी हों। छोटे स्कूलों का विलय इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बाल वाटिकाओं को सशक्त बनाने की योजना है। पिछले साल 10 हजार ईसीसीई एजुकेटर नियुक्त किए गए थे और इस बार भी इतने ही नए एजुकेटर तैनात किए जाएंगे। इन बाल वाटिकाओं में बच्चों को चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर, आउटडोर खेल सामग्री और कार्य पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बेसिक शिक्षा विभाग की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बाल वाटिकाओं को सशक्त बनाने की योजना है। पिछले साल 10 हजार ईसीसीई एजुकेटर नियुक्त किए गए थे और इस बार भी इतने ही नए एजुकेटर तैनात किए जाएंगे। इन बाल वाटिकाओं में बच्चों को चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर, आउटडोर खेल सामग्री और कार्य पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। हालांकि, कुछ शिक्षक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इससे ग्रामीण इलाकों में बच्चों की स्कूल तक पहुंच प्रभावित हो सकती है। इस पर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जिलों से इस पहल को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं।

यूपी में नौ माह में पूरा होगा 224 सेतुओं का निर्माण

उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम को सौंपी गई जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। नागरिकों की सुविधा व बेहतर कनेक्टिविटी के लिए राज्य के 10 मंडलों में निर्मित किए जा रहे 224 सेतुओं का निर्माण नौ माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लोक निर्माण विभाग ने 116 नदी सेतु, 96 रेल ओवर ब्रिज, 12 फ्लाईओवर समेत 13 अन्य कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने का खाका तैयार कर लिया है। 16,967 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम को सौंपी गई है।

सेतु निगम द्वारा आगरा, अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, गाजियाबाद, गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज व वाराणसी में निर्मित किए जा रहे सेतुओं में से 61 का निर्माण 75 से 99 प्रतिशत तक पूरा किया चुका है, जबकि 93 सेतुओं का निर्माण धीमी रफ्तार से चल रहा है।

इनमें 60 सेतुओं का 51 से 75 प्रतिशत तथा 33 सेतुओं का 26 से 50 प्रतिशत तक ही निर्माण किया जा रहा है। लोकनिर्माण विभाग के अनुसार, प्रदेश में सेतु निर्माण के जिन कार्यों को पूरा करने के लिए वरीयता के आधार पर काम हो रहा है, उसमें 116 नदी सेतु प्रमुख हैं।

इसी प्रकार 1540 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए जा रहे 12 फ्लाइओवर के निर्माण भी निर्धारित समय में पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी प्रकार 1540 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए जा रहे 12 फ्लाइओवर के निर्माण भी निर्धारित समय में पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा लखनऊ मंडल में 47, गाजियाबाद में 38, कानपुर व अयोध्या में 26–26, गोरखपुर में 24, आगरा में 23, वाराणसी में 22, बरेली में 13, प्रयागराज में 10 व आजमगढ़ में आठ परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा करने का लक्ष्य पर काम किया जा रहा है।

116 नदी सेतु, 96 आरओबी व 12 फ्लाइओवर का निर्माण तेज विभिन्न जिलों में धीमी गति से हो रहा है 93 सेतुओं का निर्माण

उत्तर प्रदेश के 10 मंडलों में 224 सेतुओं का निर्माण नौ महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। इनमें 116 नदी सेतु 96 आरओबी और 12 फ्लाईओवर शामिल हैं। 16967 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की जिम्मेदारी सेतु निगम को सौंपी गई है। 61 सेतुओं का निर्माण 75–99 तक पूरा जबकि 93 का निर्माण धीमी गति से चल रहा है। नदी सेतुओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ,संवाददाता। लिए पूर्वी–दक्षिणी यूपी और बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, ललितपुर समेत कुल 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही मध्य व पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है।

उत्तर प्रदेश में बुधवार से दक्षिणी हिस्से से शुरू हुई मानसूनी बारिश का दायरा धीरे– धीरे तराई, मध्य और पश्चिमी इलाकों तक बढ़ने लगा है। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को प्रदेश में बारिश के क्षेत्रफल और तीव्रता में और बढ़ोतरी आएगी। लिए पूर्वी–दक्षिणी यूपी और बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, ललितपुर समेत कुल 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही मध्य व पश्चिमी यूपी के 23 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। वहीं प्रदेश के 55 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी जारी की गई है। बारिश के दौरान इन इलाकों में तेज झोंकेदार हवाएं चलने के आसार हैं।

प्रदेश में मानसून के दाखिल होने के साथ ही बृहस्पतिवार को फिरोजाबाद में सर्वाधिक 120 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं आगरा, मथुरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, इटावा, बुलंदशहर, मेरठ, बरेली, सीतापुर, लखनऊ, बाराबंकी, बहराइच, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, वाराणसी, सुल्तानपुर में भी हल्की से मध्यम बारिश हुई।

यहां है मेघगर्जन व वज्रपात का आरेंज अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि २० जून को यूपी के विभिन्न हिस्सों में बारिश की तीव्रता और क्षेत्रफल में विस्तार देखने को मिलेगा।

भारी से बहुत भारी वर्षा के लिए आरेंज अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, भदोही, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

नाली के बगल बैठकर खाते दिखे ट्रेनी कांस्टेबल

उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती के बाद दो हजार नए कांस्टेबलों की तैनाती कानपुर में की गई है. इनमें से 1746 ने गुरुवार को पुलिस लाइन में रिपोर्ट किया, जिनमें 380 महिला कांस्टेबल हैं. लेकिन ट्रेनिंग के पहले दिन ही कई अव्यवस्थाएं सामने आईं. महिला कांस्टेबलों को खाने के लिए नाले के पास या फुटपाथ पर बैठना पड़ा, क्योंकि उनके लिए उचित जगह नहीं थी. इन तस्वीरों के वायरल होते ही अफसरों ने जल्दी–जल्दी व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए.

प्रेमी देवर के साथ मिलकर पति को मरवा डाला शादी से पहले ही

अलीगढ़,संवाददाता। आए दिन प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी द्वारा पति की हत्या करने के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के गंगीरी से सामने आया है। यहां के गांव नगला हिमाचल निवासी ट्रक ड्राइवर ऋषि कुमार की हत्या उसकी पत्नी ने ही साजिश रचकर अपने प्रेमी से कराई थी। हत्यारोपी प्रेमी रिश्ते का देवर भी है। पुलिस ने जब मामले का खुलासा किया तो परिजनों के पैरों तले की जमीन खिसक गई।

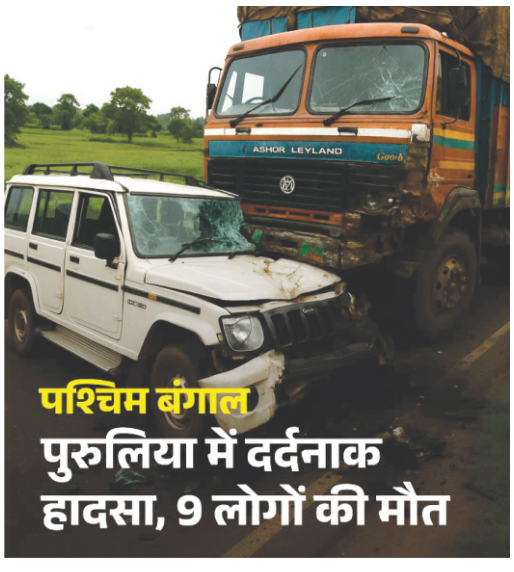

पश्चिम बंगाल पुरुलिया में दर्दनाक हादसा, 9 लोगों की मौत

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में भीषण हादसे में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई. हादसा पुरुलिया–जमशेदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग–18 पर बलरामपुर थाना क्षेत्र के नामशोल इलाके में हुआ, जहां एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बोलेरो को टक्कर मार दी. बोलेरो सवार लोग शादी समारोह से लौट रहे थे. हादसे के बाद गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और सभी यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई या अस्पताल पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया गया।

मानसून की तबाही

मानसून ने राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में एंट्री ले ली है। मानसून के अगले 2–3 दिनों में दिल्ली और हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों में पहुंचने की उम्मीद है।

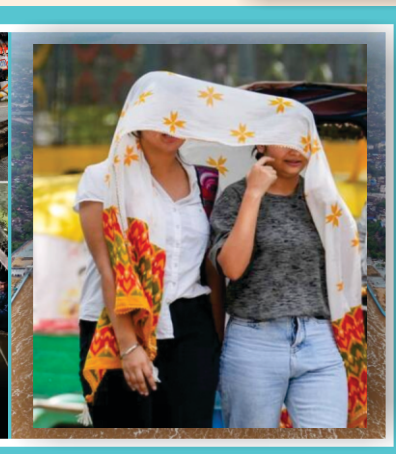

क्यों खतरनाक है क्लस्टर बम?

नई दिल्ली,एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि इस हमले में कम से कम एक प्रोजेक्टाइल में क्लस्टर बम का इस्तेमाल हुआ। कहा जा रहे है कि दोनों देशों के बीच जंग में इस तरह के हथियार पहली बार इस्तेमाल हुए हैं। लेकिन ये क्लस्टर बम क्या बला है, जो इसके इस्तेमाल से दुनिया भर में इसकी चर्चा शुरू हो गई है? इस आर्टिकल में समझेंगे ये बम क्या है, कैसे काम करता है और अतीत में कितनी बार इस बम का इस्तेमाल हुआ है? क्लस्टर बम एक ऐसा हथियार है जो किसी एक इलाके में जाकर "सबम्यूनिशन्स" छोड़ देता है। सबम्यूनिशन्स यानी छोटे–छोटे बम। यह बम एक बार में नहीं फटता, बल्कि हवा में खुल जाता है और कई छोटे विस्फोटक उस इलाके में बड़ी दूरी तक फैल जाते हैं और जमीन पर जाकर फटते हैं। ईरान के हमले में इजरायली सेना ने बताया कि मिसाइल का वारहेड जमीन से करीब सात किलोमीटर ऊपर फटा। इसके बाद लगभग 20 सबम्यूनिशन्स मध्य इजरायल में आठ किलोमीटर के दायरे में बिखर गए। ये सबम्यूनिशन्स न तो गाइडेड हैं और न ही स्वचालित। ये बस जमीन पर गिरते हैं और टकराने पर फटने के लिए बनाए गए हैं।

क्लस्टर बम क्यों हैं विवादास्पद?

क्लस्टर बम का विवाद इसकी अंधाधुंध प्रकृति और बिना फटे विस्फोटकों को पीछे छोड़ने की वजह से है। इनमें से कई सबम्यूनिशन्स जमीन पर गिरने के बाद नहीं फटते और अरसों तक सक्रिय रहते हैं, जिससे अनजाने में इनके पास आने वाले नागरिकों के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है। ह्यूमन राइट्स वॉच के मुताबिक, क्लस्टर म्यूनिशन्स पर कन्वेंशन (ब्डड) एक अंतरराष्ट्रीय संधि है, जिसे 30 मई 2008 को डबलिन, आयरलैंड में अपनाया गया और 1 अगस्त 2010 से यह लागू हुई। इस संधि का मकसद क्लस्टर बमों के इस्तेमाल, उत्पादन, भंडारण और ट्रांसफर पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना है। इसके साथ ही, यह संधि प्रभावित क्षेत्रों में बचे हुए बिना फटे विस्फोटकों को साफ करने और पीड़ितों की सहायता करने पर भी जोर देती है।

क्लस्टर मुनिशन कोएलिशन के अनुसार, साल 2025 तक, 100 से अधिक देश इस संधि पर हस्ताक्षर कर चुके हैं और इसे लागू कर रहे हैं। हालांकि, कुछ बड़े देश जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन और भारत ने इस संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

कब–कब हुआ क्लस्टर बम का इस्तेमाल?

द्वितीय विश्व युद्ध (1939–1945)

जर्मनी ने क–2 बटरफ्लाई बम का इस्तेमाल किया, जैसे कि 1943 में ग्रिम्सबी, इंग्लैंड पर 1,000 से अधिक बम गिराए गए।

सोवियत संघ ने कुर्स्क में जर्मन बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ हवाई क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने ड41 क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया। ये बम 6 या 25 के समूह में तार से बंधे होते थे।

शीत युद्ध (1960–1970)

संयुक्त राज्य अमेरिका ने वियतनाम युद्ध (1965–1973) के दौरान लाओस, कंबोडिया और वियतनाम में बड़े पैमाने पर क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया। लाओस में लगभग 80 मिलियन उप–गोला–बारूद छोड़े गए। ये आज भी खतरा बने हुए हैं।

1973 में इजरायल ने दमिश्क के पास गैर–राज्य सशस्त्र समूहों के प्रशिक्षण शिविरों पर क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया।

धीमे–धीमे चमकेंगे 'सितारे'

हंसाएगी..रूलाएगी

मुम्बई,एजेंसी। चार साल के ब्रेक के बाद जब शाहरुख खान ने 'पठान' से कमबैक किया था तो उनकी एंट्री बेहद मासी थी। अब तीन साल के ब्रेक के बाद आमिर खान ने फिल्म 'सितारे जमीन पर' से कमबैक किया है। बेहद सादे अंदाज में फिल्म के पहले सीन में ही वो कार से उतरते नजर आते हैं। इस एंट्री में कोई मास मसाला नहीं है, शायद यही आमिर का अपना नॉर्मल है। फिल्म शुरू होती है पांच मिनट तक आपको लगता है कि क्या आमिर यहां भी अपने किरदार को 'लाल सिंह चड्ढा' की तरह ही एक सुर में ले जाएंगे? एक अलग सुर जो मूल फिल्म में कोच का किरदार निभाने वाले कलाकार से काफी अलग है। फिल्म भी मूल फिल्म से काफी अलग ही है। यहां कई बड़े मजेदार देसी तड़के लगाए गए है और पूरी फिल्म की सबसे खास बात यह है कि ये आपको कहीं भी बोर नहीं करती। स्लो और इमोशनल होने के बावजूद भी यह हर बार सही वक्त पर अपनी रफ्तार फिर से पकड़ लेती है। फिल्म डाउन सिंड्रोम और न्यूरो डाइवर्जेंस पर आपको एक अलग ही अंदाज में मैसेज देती है। यह पूरी तरह से आमिर की फिल्म भी नहीं है। हर छोटे किरदार को पूरा स्पेस दिया गया है। फिर चाहे वो आमिर की मां हों या फिर आमिर की पत्नी सुनीता के किरदार में जेनेलिया डिसूजा। वो फिल्म में खूबसूरती लेकर आती हैं। उनके बोलने के अंदाज में थोड़ा धीमापन है. . इसकी वजह फिल्म के अंत तक समझ नहीं आती क्योंकि जेनेलिया की हिंदी काफी अच्छी है.. बहरहाल, जब बाकी चीजें अच्छी हों तो कुछ कमियां अपने आप नजर अंदाज हो जाती हैं। फिल्म में जान डालने का काम यकीनन 10 खास कलाकारों का था और मानना पड़ेगा डायरेक्टर आर.एस. प्रसन्ना को कि उन्होंने इन बच्चों से कमाल का काम निकलवाया है। इन सबकी अपनी अपनी कहानी जो धीरे–धीरे आगे बढ़ती है और अंत तक आपको इन सभी से प्यार हो जाता है।

एक्टिंग

अब बात करते हैं एक्टिंग की तो आमिर ने अपना काम बखूबी निभाया। उनका किरदार में कई लेयर्स हैं जो आपको उनके ही अंदाज में देखने में मजा आएगा। जेनेलिया स्क्रीन पर क्यूटनेस लेकर आती हैं बाकी उनकी एक्टिंग तो हमेशा से ही बेहतर थी। सतबीर से लेकर गुड्डू और शर्मा जी से लेकर गोलू तक सभी दस खास कलाकारों से आपको प्यार हो ही जाएगा क्योंकि फिल्म में इन सभी ने एक्टिंग नहीं की है.. इन्होंने अपनी असल मासूमियत दिखाई है। फिल्म में तीन चरित्र कलाकार भी हैं– डॉली अहलूवालिया, गुरपाल सिंह और बृजेंद्र काला.. इनके बिना ये फिल्म अधूरी थी। जिस तरह इन्होंने अपने किरदार निभाए हैं आपको इन्हें देखकर मजा आ जाएगा।

डायरेक्शन

डायरेक्टर आर एस प्रसन्ना की सबसे खास बात यह है कि उन्होंने फिल्म को कहीं भी बोरिंग नहीं बनने दिया। आजकल की जेन जी जेनरेशन जैसे ही इमोशनल सीन आने पर बोर होने लगती है वैसे ही प्रसन्ना इसमें एक कॉमिक सीन लेकर आ जाते हैं। एक सीन हैं जहां इन स्पेशल बच्चों के केयर टेकर आमिर को नॉर्मल और पागल होने के बीच का फर्क समझाते हैं। यह सीन हंसी–मजाक में आपकी आंखें खोल देगा। प्रसन्ना ने कॉमेडी के जरिए पूरी फिल्म में कई बड़े संदेश दिए हैं।

कोर्ट रूम ड्रामा–इमोशन्स से भरपूर है

'क्रिमिनल जस्टिस 4'

एंटरटेनमेंट डेस्क। ओटीटी प्लेटफॉर्म की चर्चित वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस 4' का छठा एपिसोड रिलीज हो गया है, जिसका दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। पंकज त्रिपाठी अभिनीत 'क्रिमिनल जस्टिस 4' इस समय ओटीटी पर छाया हुआ है। इसके प्रत्येक एपिसोड का दर्शक दिल थाम कर इंतजार करते हैं, क्योंकि निर्माता इसका रोमांच दर्शकों को किस्तों में दे रहे हैं। अब इसका छठा एपिसोड गुरुवार को रिलीज हो गया है, जिसमें डॉ. राज नागपाल और अंजू नागपाल पर रोशनी आहूजा के हत्या का आरोप है, जिसका केस कोर्ट में लड़ा जा रहा है। आइए जानते हैं।

कैसा है इसका छठा एपिसोड?

'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' का छठा एपिसोड गुरुवार को हॉटस्टार पर रिलीज हुआ है। इसमें अभिनेता पंकज त्रिपाठी, जिन्होंने माधव मिश्रा नाम के वकील का किरदार निभाया है। इसमें अभिनेता हत्या के आरोपी डॉ. राज नागपाल और अंजू नागपाल की ओर से केस लड़ते हैं, बल्कि अगस्त्या लेखा पुलिस का पक्ष रखती नजर आ रही हैं। इसमें दोनों पक्षों की तरफ से सबूतों और गवाहों को पेश करने का दौर जारी है और अलग–अलग रहस्यों से पर्दा उठ रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स पंकज त्रिपाठी की दलीलों को खूब पसंद कर रहे हैं।

कब आएगा अगला एपिसोड?

29 मई को क्रिमिनल जस्टिस का चौथा सीजन तीन एपिसोड के साथ हॉटस्टार पर रीलीज हुआ था। जिसके बाद से अब हर सप्ताह गुरुवार को निर्माताओं की ओर से सीरीज का नया एपिसोड रिलीज किया जा रहा है। इसी कड़ी में 19 जून गुरुवार को इसका छठा एपिसोड आया। अब इसका अगला एपिसोड 26 जून को रिलीज होगा और आखिरी एपिसोड 3 जुलाई को आएगा। साथ ही आपको बताते चलें कि इसमें कुल आठ एपिसोड हैं, जिसके एक–एक एपिसोड का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है।

'क्रिमिनल जस्टिस 4' के बारे में

'क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4' का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। वहीं इस सीरीज का निर्माण अप्लॉड एंटरटेमेंट के बैनर तले किया गया है। इसमें पंकज त्रिपाठी, सुरवीन चावला, मोहम्मद जीशान अयूब, श्वेता बसु प्रसाद, आशा नेगी, खुशबू अत्रे, आत्मप्रकाश मिश्र, बरखा सिंह और खुशी भारद्वाज आदि कलाकार शामिल हैं।

क्या काजोल की बेटी नीसा देवगन एक्टिंग में करने वाली हैं डेब्यू

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल इस समय अपनी आगामी फिल्म 'मां' से चर्चा में हैं। अब एक्ट्रेस ने अपनी बेटी नीसा देवगन के करियर को लेकर बात की है। आइए जानते हैं। सिनेमाई दुनिया की चर्चित अभिनेत्री काजोल इस समय अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' के प्रचार–प्रसार में व्यस्त हैं। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आजकल स्टारकिड्स फिल्मी दुनिया में डेब्यू करते दिख रहे हैं। अब इसी कड़ी में काजोल ने भी अपनी बेटी नीसा देवगन के एक्टिंग रूचि के बारे में बात की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

क्या अभिनय में कदम रखने वाली हैं नायसा ?

हाल ही में काजोल फिल्मीज्ञान के साथ एक इंटरव्यू में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने बेटी को लेकर बात की। अभिनेत्री से सवाल किया गया कि क्या वह भी अन्य पैरेंट्स की तरह भी अपनी बेटी को फिल्मों में लाने की योजना बना रही हैं। इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'नहीं, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा करेंगी, उन्हें फिल्मों में कोई दिलचस्पी नहीं है। मैं अपने परिवार के सभी बच्चों से प्यार करती हूं और मैं चाहती हूं कि वे वही करें, जिससे उन्हें खुशी मिलती है और जो उन्हें लगता है कि वे उसमें सफल होंगे।'

काजोल ने बच्चों के बारे बताई ये बात

आगे बातचीत में काजोल ने बताया, 'मेरे बच्चों को मेरी पिक्चर पसंद नहीं आती क्योंकि मुझे उसमें रोना धोना पड़ता है और उन्हें अपनी मां को स्क्रीन पर रोते हुए देखना पसंद नहीं है। नीसा और युग मुझे रोते हुए देख कर बहुत सहम जाते हैं । मैंने उन्हें बोला है कि यह सब झूठ है पर उन्हें समझ नहीं आता।'

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म मां, 'शैतान' के ब्रह्मांड की अगली कड़ी है और जिसमें एक मां अलौकिक शक्तियों से अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जाती है। इस फिल्म को अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, जियो स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म में काजोल के अलावा रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्त, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह, सूर्यसिखा दास, यानी भारद्वाज, रूपकथा चक्रवर्ती और खेरिन शर्मा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 27 जून 2025 को हिंदी, तमिल, तेलुगु और बंगाली में रिलीज होगी।

'कुबेर' से तेलुगु सिनेमा में धनुष की वापसी

एंटरटेनमेंट डेस्क। धनुष की फिल्म 'कुबेर' शुक्रवार को रिलीज हो गई है। सोशल मीडिया पर दर्शक फिल्म के बारे में अपनी राय रख रहे हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा है? तमिल सुपरस्टार धनुष ने दो साल के बाद तेलुगु सिनेमा में फिल्म 'कुबेर' से वापसी की है।

क्राइम ड्रामा फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म देखने के बाद कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर इसके बारे में लिखा है। कुछ लोगों ने फिल्म की लंबाई की आलोचना की है, तो वहीं ज्यादातर लोगों ने धनुष की अदाकारी की तारीफ की है।

धनुष की अदाकारी को बड़े पर्दे पर देखा जाना चाहिए

एक एक्स यूजर ने लिखा है कि फिल्म में धनुष का किरदार आसान नहीं था लेकिन धनुष ने इसे बेहतर तरीके से निभाया है। उन्होंने लिखा 'धनुष के लिए यह अहम भूमिका है, पूरी फिल्म में उनकी मासूमियत ने बड़ा काम किया है। यह उनके किरदार को दिलचस्प बनाती है। यह रोल निभाना आसान नहीं था, लेकिन धनुष ने कर दिखाया। उनकी अदाकारी को बड़े पर्दे पर देखा जाना चाहिए।'

सुदर्शन या करुण, भारत का नया नंबर-3 कौन नीतीश-शार्दुल और कुलदीप में किसे मिलेगा मौका?

स्पोर्ट्स डेस्क। स्पिन विभाग में कुलदीप और जडेजा में से किसी एक को खिलाने को लेकर टीम प्रबंधन का फैसला काफी दिलचस्प होगा। कुलदीप यहां की परिस्थितियों में सफल हो सकते हैं, लेकिन जडेजा का विदेश में बल्लेबाजी रिकॉर्ड अच्छा रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। लीड्स में मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे होगी। वहीं, टॉस इससे आधे घंटे पहले यानी दोपहर तीन बजे होगा। इस टेस्ट के साथ भारत और इंग्लैंड की टीमें अपने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025–27 चक्र की शुरुआत करेंगी। भारतीय टीम की कमान जहां युवा शुभमन गिल संभालेंगे, वहीं इंग्लैंड की कप्तानी दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स करेंगे। इंग्लिश टीम ने बुधवार को ही प्लेइंग–11 की घोषणा कर दी थी। वहीं, टीम इंडिया टॉस से ठीक पहले इसका एलान करेगी। हालांकि, भारतीय प्लेइंग–11 को लेकर जद्दोजहद अभी तक जारी है। भारतीय प्लेइंग–11 के आठ खिलाड़ी लगभग तय हैं, जबकि तीन स्थानों को लेकर टीम मैनेजमेंट और मुख्य कोच गौतम गंभीर को माथापच्ची करनी पड़ रही है। इन स्थानों के लिए साई सुदर्शन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, शार्दुल ठाकुर और कुलदीप यादव के बीच जंग है। आइए जानते हैं कि भारत की प्लेइंग–11 क्या हो सकती है...

राहुल और यशस्वी का ओपलनग आना तय

गिल के नेतृत्व में एक युवा टीम इंडिया इस सीरीज में उतरेगी। विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद उनके रिक्त स्थानों को भरने के लिए कौन सा खिलाड़ी अच्छ प्रदर्शन करेगा यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन उनकी जगह पर आजमाया किसे जाए, यह सबसे बड़ा सवाल है। रोहित की जगह केएल राहुल के बतौर सलामी बल्लेबाज आने की पूरी संभावना है। राहुल का इंग्लैंड में रिकॉर्ड भी शानदार रहा है और युवा यशस्वी जायसवाल के साथ उनका अनुभव काम आ सकता है। यशस्वी का यह पहला इंग्लैंड दौरा है, जबकि राहुल वहां नौ मैचों की 18 पारियों में 34.11 की औसत से 614 रन बना चुके हैं।

इनमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। वहीं, उप–कप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में नंबर–चार और पांच तय होने की बात कही थी। विराट कोहली द्वारा रिक्त किए गए चौथे नंबर पर कप्तान शुभमन गिल बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे, जबकि पंत पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना जारी रखेंगे। मध्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी इन्हीं दोनों के मजबूत कंधों पर होगी।

अर्शदीप, प्रसि) और आकाश में किसे मिलेगा मौका?

वहीं, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा का बतौर स्पिनर खेलना तय है। वहीं, तेज गेंदबाजी का दारोमदार अनुभवी जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज के कंधों पर होगा। इन दोनों का खेलना लगभग तय है। तीसरे पेसर के तौर पर प्रसिद्ध कृष्णा का खेलना लगभग तय माना जा रहा है। लीड्स की पिच पर उनकी हिट द डेक गेंद घातक साबित हो सकती हैं। हालांकि, प्लेइंग–11 में उनकी टक्कर अर्शदीप सिंह से हो सकती है।

यह इस बात पर निर्भर करेगा कि टीम मैनेजमेंट एक बाएं हाथ का तेज गेंदबाज चाहता है या नहीं। अर्शदीप ने काउंटी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है जो उनके दावे को मजबूत करता है। हालांकि, उनके पास टेस्ट खेलने का अनुभव नहीं है और इस वजह से प्रसिद्ध को मौका मिल सकता है। आकाश दीप एक अन्य विकल्प हैं, लेकिन उन पर प्रसिद्ध को तरजीह मिलना तय है। इनके अलावा टीम में नंबर–तीन, नंबर–छह और एक गेंदबाज की जगह खाली है। इसी को लेकर असली जंग है।

छह बल्लेबाज के साथ उतरेगा भारत?

उप–कप्तान पंत ने बताया था कि नंबर तीन को लेकर अभी तक चर्चा चल रही है। इसका मतलब है कि टीम मैनेजमेंट इस पर विचार कर रहा है कि एक ऑलराउंडर को मौका दिया जाए या एक अतिरिक्त बल्लेबाज को खिलाया जाए। नंबर तीन पर साई सुदर्शन के डेब्यू की काफी बातें चल रही हैं। हालांकि, करुण नायर ने हाल ही में इंडिया–ए से खेलते हुए नंबर तीन पर बल्लेबाजी की थी और दोहरा शतक जड़ा था।

करुण फिलहाल जीवन के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में चल रहे हैं और एक इनफॉर्म बल्लेबाज को प्लेइंग–11 से दूर रखना टीम मैनेजमेंट के लिए आसान नहीं होगा। ऐसे में सुदर्शन को नंबर–तीन और करुण को नंबर छह पर खेलने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इस कॉम्बिनेशन में भारत के पास गेंदबाजी के पांच विकल्प ही होंगे और कोई छठा गेंदबाज टीम के पास नहीं होगा। वहीं, अगर नंबर तीन पर सुदर्शन और करुण में से किसी एक को मौका मिलता है तो नंबर छह पर शार्दुल या नीतीश में से किसी एक को और एक गेंदबाज के रिक्त स्थान पर कुलदीप यादव को खिलाया जा सकता है।

लीड्स में तेज गेंदबाजों का रहा है बोलबाला

लीड्स की बात करें तो वहां अब तक खेले गए कुल टेस्ट में से तेज गेंदबाजों ने 1773 विकेट चटकाए हैं। इनमें से 1618 विकेट दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने चटकाए हैं। वहीं, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 155 विकेट लिए हैं। वहीं, लीड्स में स्पिनरों को 612 विकेट मिले हैं। इसमें से दाएं हाथ के स्पिनर ने 383 विकेट और बाएं हाथ के स्पिनर ने 229 विकेट लिए हैं।

इस रिकॉर्ड को देखा जाए तो टीम इंडिया अर्शदीप पर प्रसिद्ध को तरजीह दे सकती है। बहुत हद तक संभावना है कि टीम इंडिया पहले टेस्ट में छह बल्लेबाज, एक स्पिनर और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में अब तक कुल मिलाकर सात टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से टीम इंडिया को सिर्फ दो टेस्ट में जीत मिली है। चार में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारत और इंग्लैंड के बीच ओवरऑल 136 टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से भारत ने 35 मुकाबले और इंग्लैंड ने 51 टेस्ट जीते हैं। 50 टेस्ट ड्रॉ रहे हैं।

इंग्लैंड ने प्लेइंग–11 घोषित की

इंग्लैंड पहले ही अपनी प्लेइंग–11 की घोषणा कर चुका है और उसने बल्लेबाजी को मजबूत करने पर ध्यान दिया है जिसमें वोक्स आठवें नंबर पर आएंगे। वोक्स ने भारत के खिलाफ टेस्ट शतक लगाया है और वह एक अच्छे बल्लेबाज हैं, लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि जैक क्राउली और बेन डकेट बुमराह और सिराज के खिलाफ कैसी शुरुआत करते हैं, लेकिन पांच में से तीन मैचों में रूट और बुमराह के बीच मुकाबला ही सीरीज का परिणाम तय कर सकता है।

'अगर चौथे स्थान पर खुद को साबित करते हैं तो दुनिया उनके कदमों में होगी', गिल को लेकर बोले कार्तिक

स्पोर्ट्स डेस्क। मुकाबले से पहले भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिल नंबर–4 पर बल्लेबाजी करेंगे। विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद यह स्थान खाली था। अब गिल इस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक का मानना है कि अगर शुभमन गिल चौथे स्थान पर खुद को साबित करते हैं तो दुनिया उनके कदमों में होगी। बता दें कि, भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होगा। पहला मुकाबला 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। इस सीरीज में शुभमन गिल भारतीय टीम का नेतृत्व करते नजर आएंगे।

'दुनिया उनके कदमों में होगी'

मुकाबले से पहले भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि गिल नंबर–4 पर बल्लेबाजी करेंगे। विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद यह स्थान खाली था। अब गिल इस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे। कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम पर जारी वीडियो में कहा– शुभमन गिल जो किंग से पदभार ग्रहण करने जा रहे हैं। यह एक बड़ी बात है जिसे वह भी जानते हैं। वह ड्रेसिंग रूम जीतना चाहते हैं। अगर वह बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करते हैं और सफेद गेंद वाले क्रिकेट में जो फॉर्म दिखाते हैं, उसे लाल गेंद प्रारूप में भी दिखाते हैं तो दुनिया उनके कदमों में होगी।

तीसरा और चोथा स्थान तय

पंत ने बुधवार को कहा, 'मुझे लगता है कि इस बारे में चर्चा चल रही है कि कौन तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए आएगा, लेकिन चौथा और पांचवां स्थान तय है। मेरा मानना है कि फिलहाल शुभमन चौथे पर और मैं पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरूंगा। इसके अलावा कौन किस स्थान पर उतरेगा इस बारे में हम बातचीत करेंगे।'

कृतक ने चुनी प्लेइंग 8

इस दौरान दिनेश कार्तिक ने पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग 8 भी चुनी। उन्होंने केएल राहुल को यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग के लिए चुना है। तीसरे स्थान पर उन्होंने साई सुदर्शन को मौका दिया है। उनके मुताबिक गिल चौथे नंबर पर ही होंगे जबकि पांचवें स्थान पर ऋषभ पंत होंगे। कार्तिक ने करुण नायर को उनकी जबरदस्त फॉर्म की वजह से प्लेइंग 8 में शामिल किया है। इसके अलावा रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर को मौका दिया है। कार्तिक ने कहा– मुझे लगता है कि नंबर 8 पर शार्दुल ठाकुर सबसे बेहतर खिलाड़ी साबित होंगे। वह गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं, लेकिन उनकी बल्लेबाजी भी उपयोगी साबित होगी। हम सभी जानते हैं कि निचले क्रम के रन कितने महत्वपूर्ण होते हैं।

द्रविड़ की कप्तानी में मिली थी जीत

भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी। उस वक्त तीन मैचों की सीरीज में भारत 1–0 से जीत दर्ज करने में सफल रहा था। 2007 के बाद से भारतीय टीम चार बार इंग्लैंड दौरे पर गई, लेकिन जीत का स्वाद नहीं चख सकी। 2011 में वनडे विश्व कप जीतने के बाद भारत ने इंग्लैंड का दौरा किया। उस वक्त टीम महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में खेलने गई, लेकिन चार मैचों की टेस्ट सीरीज में एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी और मेजबान टीम ने भारत को 4–0 के अंतर से हराया।

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर है। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा।

एशिया कप की पांच स्पर्धाओं के फाइनल में भारतीय तीरंदाज

टूर्नामेंट में खेलेंगे 640 मुक्केबाज

स्पोर्ट्स डेस्क। हॉकी इंडिया ने इस साल 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप की सह मेजबानी के लिए बृहस्पतिवार को तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौते पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। टूर्नामेंट की घोषणा कार्यक्रम के दौरान यहां आधिकारिक 'लोगो' का भी अनावरण किया गया। इस चरण में पहली बार दुनिया भर से 24 टीमें भाग लेंगी जिससे यह अब तक का सबसे प्रतिस्पर्धी चरण होगा। तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री थिरु उदयनिधि स्टालिन ने कहा, 'यह केवल हमारे राज्य के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का पल है। इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करना सभी स्तरों पर खेल का समर्थन करने और खेल का विकास करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है जिससे भविष्य के स्टार निकलते हैं। हम इस चरण के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ साझेदारी करके बेहद खुश हैं।'

जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे 640 मुक्केबाज

देशभर से 640 मुक्केबाज गुरुवार से रोहतक में शुरू हो रही छठी जूनियर (अंडर–17) लड़के और लड़कियों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भाग लेंगे। जूनियर लड़के और लड़कियों की प्रतियोगिताओं में 44–46 किलोग्राम से लेकर 80 किलोग्राम से अधिक तक कुल 13 वजन वर्ग होंगे। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड लड़कों के वर्ग में, जबकि हरियाणा लड़कियों के वर्ग में गत विजेता के रूप में उतरेगा।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की अंतरिम समिति के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप युवा मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं और कोचों के सामने अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यह महासंघ को भविष्य की प्रतिभा की पहचान करने और उनको तैयार करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।' इस टूर्नामेंट के विजेता अक्तूबर में होने वाले एशियाई युवा खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

"अहमदाबाद में जो प्लेन क्रैश हुआ, उससे पूरा भारत दुखी है. लेकिन हम अपनी तरफ से यही कोशिश कर सकते हैं कि भारत को फिर से खुश कर सकें. हमारी टीम जीत के लिए पूरी जान लगा देगी. मैं अपनी तरफ से ये वादा कर सकता हूं कि हम अपने प्रदर्शन में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे, 200 प्रतिशत देंगे ताकि देशवासियों को ख़ुशी दे पाएं"

ऋषभ पंत
क्रिकेटर